

an>

Title: Regarding evaluation of APL & BPL families in the country.

श्रीमती रंजीत रंजन (सुपौल): माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से एपीएल और बीपीएल का मुद्दा उठाने जा रही हूँ। बीपीएल हेतु भारत सरकार द्वारा मापदंड निर्धारित किया गया है उसके अनुसार राज्य सरकार सर्वे और चयन करती हैं। बिहार में लगभग 1 करोड़ 20 लाख बीपीएल परिवार हैं। लेकिन सेंट्रल द्वारा जो मापदंड और प्वाइंट सिस्टम बनाया गया है उसके अनुसार 60 लाख परिवार ही बीपीएल में आए हैं। इसमें भी लोकल धांधली से एपीएल वाले बीपीएल और बीपीएल वाले एपीएल होते गए।

मैं सरकार से गुजारिश करना चाहती हूँ कि आपने जो मापदंड तय किया है, इसे दोबारा एक्सपर्ट के साथ मिलकर चेक करना चाहिए क्योंकि कूमांक का मापदंड सही नहीं है और इसमें धांधली होती है। 1 करोड़ 20 लाख बीपीएल हैं लेकिन मात्र 60 लाख ही आ रहे हैं, क्या दोबारा सरकार प्रक्रिया शुरू करेगी?

आपने उज्जवला योजना शुरू की गई है, जिसमें कहा गया है कि पांच करोड़ बीपीएल परिवारों को सिलेंडर मुफ्त में दिया जाएगा जबकि यह मुफ्त नहीं है, आप 1600 रुपए का एक तरह से ऋण ले रहे हैं। इसमें भी पांच करोड़ बीपीएल परिवार हैं, उनका मापदंड क्या होगा? क्या बीपीएल परिवारों को वास्तव में 1600 रुपए में सिलेंडर की स्कीम मिलेगी? अभी एपीएल और बीपीएल में धांधली हो रही है, क्या उसी तरह से पांच करोड़ में भी धांधली होगी?

माननीय अध्यक्ष: कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्रीमती रंजीत रंजन द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।